

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 24 जनवरी, 1983

क्रमांक 1934-अ(I)-82/2777.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री दलजीत सिंह, पुत्र श्री पृथी सिंह, नदी मोहल्ला, भम्बाला शहर, मारफत 22 शांतिपुरा, जालन्धर, को रबी, 1969 से खरीक, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीक, 1970 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहुर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1938-अ(I)-82/2837.—श्री रामानन्द, पुत्र श्री सदानन्द, निवासी गुडगावा, तहसील व जिला गुडगावा, की दिनांक 30 अक्टूबर, 1978 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रामानन्द को मरलिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो 'उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 5005-आर-4-67/3455, दिनांक 27 सितम्बर, 1967 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सुख देई के नाम रबी, 1979 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1988-अ(II)-82/2841.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री गिरवारी लाल, पुत्र श्री किशन लाल, गांव नौसवा, तहसील दादरी, जिला मियाणी, को रबी, 1973 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहुर्ष प्रदान करते हैं।

शुद्धि-पत्र

क्रमांक 1401-अ(II)-82/2845 —हरियाणा सरकार राजस्व विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना क्रमांक 1401-अ(II)-82/32987, दिनांक 17 सितम्बर, 1982 जो हरियाणा सरकार के राजपत्र में दिनांक 12 अक्तूबर, 1982 को प्रकाशित हुई है की चौथी लाइन में "खरीक, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीक, 1975 से खरीक, 1979 तक" की जगह "खरीक, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीक, 1970 से खरीक, 1979 तक" पढ़ा जाये।

दिनांक 25 जनवरी, 1983

क्रमांक 1932-अ(I)-82/2856.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री करन राम, पुत्र श्री राम सिंह, गांव रायवासी, तहसील नारायणगढ़, जिला भम्बाला, को रबी, 1974 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहुर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी, 1983

क्रमांक 42-अ(II)-83/4259.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री दरियाब सिंह, पुत्र श्री नन्दगी राम, गांव सेरिया, तहसील मजहर, जिला रोहतास, को खरीक, 1975 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहुर्ष प्रदान करते हैं।